मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 10 अप्रैल 2017

पर्यावरण हालात बहुत ख़राब, स्थिति सुधारने की सख़्त ज़रूरत : डा स्वामीनाथन ने चेताया जेएमआई के राष्ट्रीय सम्मेलन में

भारत में हरित क्रांति के जनक डा एम एस स्वामीनाथन ने आज आगाह किया कि पर्यावरण के हालात तेज़ी से बद से बदतर होते जा रहे हैं और इससे निकलने के लिए यह जानने की ज़रूरत है कि असल मसायल क्या हैं और उनसे कैसे बाहर निकला जा सकता है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में ''बायोटक्नोलॉजी एवं पर्यावरण'' पर आज से शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, '' पर्यावरण के तेज़ी से बिगड़ते हालात इंसानी सेहत के लिए बहुत चिंता की बात है। कृषि और उद्योग दोनों के लिए विज्ञान की बहुत अहमियत है। इन हालात से निकलने के लिए हमें यह जानने की ज़रूरत है कि आखिर असल समस्या है क्या। ऐसा करके ही हम उसका हल निकाल सकते हैं।'' इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन करने के लिए उन्होंने जेएमआई को बधाई दी।

विख्यात कृषि वैज्ञानिक डा एस पी एस खनुजा ने सम्मेलन के मुख्य भाषण को बहुत रोचक अंदाज़ में पेश करते हुए विश्व भर में हरित क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले डा नेरमन ई बोरलांग के हवाले से कहा, '' पेड़ पौधे बोलते नहीं हैं

लेकिन वे आपस में फुसफुसाते हैं। इसलिए उन्हें समझने के लिए उनके बहुत पास रहें।''

डा खनुजा ने कहा कि डा बोरलांग का तात्पर्य यह था कि इंसान ने पेड़ पौधों को बहुत कम समझा है और दुनिया को भुखमरी से बचाने के लिए उन्हें और गहरे से समझे जाने के लिए अभी बहुत कुछ करने की ज़रूरत है।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि डा शाहिद जमील ने युवा वैज्ञनिकों और छात्रों को सलाह दी कि वे किसी मशहूर वैज्ञानिक का प्रतिरूप :क्लोनः बनने की कोशिश हरगिज़ नहीं करें क्योंकि ऐसा करके वे नया और बड़ा काम नहीं कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि अच्छा वैज्ञानिक वही साबित होता है जो सदा सीखने की प्रक्रिया में रहता है क्योंकि हर 5–7 साल में नए ज्ञान दुनिया में आते हैं।

इस सम्मेलन को जेएमआई के बायोटेक्नोलॉजी विभाग और राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है। इसके संयोजक प्रो मुहम्मद हुसैन और संगठनात्मक सचिव डा मुहम्मद इरफान कुरैशी हैं।

जेएमआई के रजिस्ट्रार ए पी सिद्दीक़ी :आईपीएसः ने कहा कि पर्यावरण को सही बनाए रखना आज बड़ी समस्या बनती जा रही है और इसके समाधान के लिए नवीनतम टेक्नोलॉजी से क़दम से क़दम मिला कर चलना होगा।

विश्वविद्यालय के अंसारी ऑडिटोरियम में आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी तादाद में अध्यापकों और छात्रों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के पहले दिन के सत्र का समापन जेएमआई के तराने और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

डेप्यूटी मीडिया कोऑर्डनैटर

font: Kruti Dev 010